**भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2025-26)**

| | | |
|---|---|---|
| **कक्षा - 9** | **अपठित गद्यांश** | **Date - 01-05-2025** |
| **कार्य-पत्रिका-2** | | **Note: Pl. file in portfolio** |

**नामः ____________________अनुभागः ______अनुक्रमांकः _____दिनांकः _____________**

(क)कलाकार सौंदर्य प्रिय होता है। राष्ट्र पर मँडराती युद्ध की घनघोर घटाओं के बीच में कलाकार की वाणी ही बिजली की तरह पथ-प्रदर्शक बनती और गुमराह को राह दिखला जाती है।

अंतर्तम की सुंदरतम अनुभूति को अभिव्यक्त करने की क्षमता ही कलाकार का आदर्श है। इसी में राष्ट्र-हितों की सम्यक साधना का समावेश कर देना एक अत्युच्च आदर्श है। किसी भी कलाकार का अध्ययन करने पर हमें ज्ञात होता है कि अपने समकक्षीय मानव के प्रति उसमें अद्भुत, किंतु मानवीय सहानुभूति अवश्य ओत-प्रोत रहती है। उसमें एक ऐसी प्रवृत्ति पाई जाती है जो मानव मात्र का कल्याण चाहती है और भेदभाव अथवा ऊँच-नीच के दूषित वातावरण की उसमें कहीं कोई गंध नहीं रहती।

प्राचीन भारत के स्वर्णिम युग का अध्ययन करने से हमें विदित होता है कि जब संसार के अन्यान्य देश कला के नाम से सर्वथा अनभिज्ञ थे , तब हमारा देश कला की महत्ता को पूर्णतःसमझता था। कला की रक्षा के लिए प्राचीन भारत ने कुछ उठा नहीं रखा था। क्या अमीरों और क्या फकीरों, सभी के लिए कला की आवश्यकता समान रूप से स्वीकार की जाती थी। यहाँ तक कि धार्मिक और राजनीतिक संघर्षों के समय भी कला का स्वरूप अक्षुण्ण रखा जाता था। कला का चतुर्मुखी विकास भारतवर्ष के प्रत्येक युग में हुआ और उसके विकास-पथ में किसी प्रकार का रोड़ा नहीं अटकाया गया। यही कारण है कि प्राचीन भारत का इतिहास हमारी तत्कालीन स्वतंत्रता का यश-गान अपने वक्ष से आज भी चिपकाए,हमें कला का वास्तविक सम्मान करने की प्रेरणा दे रहा है। यह बात दूसरी है कि इस प्रेरणा से हम प्रेरित हों या नहीं।

किंतु खेद के साथ हमें यह स्वीकार करना पड़ता है कि कला के प्रति अर्वाचीन भारत का दृष्टिकोण बहुत कुछ बदलता जा रहा है। कला और कलाकारों की उपेक्षा अर्वाचीन भौतिक चकाचौंध के बीच हमारे देश में साधारण सी बात हो चुकी है। हमारे देश के बहुसंख्यक धनिक अपने ऐशोआराम में, व्यक्तिगत मौज में बड़ी-से-बड़ी रकमें खर्च करना जानते हैं लेकिन कला की रक्षा और कलाकारों की सहायता के नाम पर नाक-भौंह सिकोड़ते देखे जाते हैं।

**निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-**

(1) कलाकार की वाणी में क्या शक्ति होती है?

(क) लोगों को कलाप्रेमी बना देती है (ख) देश का दृष्टिकोण बदल देती है

(ग)पथ-प्रदर्शक बन गुमराहों को राह दिखाती है(घ) इनमें से कोई नहीं

(2)आज हमारे देश के बहुसंख्यक धनिक-

(क) ऐशोआराम में पैसे खर्च करना जानते हैं

(ख)व्यक्तिगत मौज में बड़ी-से-बड़ी रकमें खर्च करते हैं

(ग)कलाकारों की सहायता के नाम पर नाक-भौंह सिकोड़ते हैं

(घ)उपर्युक्त सभी सही हैं

(3)गद्यांश का उचित शीर्षक होगा -

(क) तत्कालीन स्वतंत्रता (ख) भौतिक चकाचौंध

(ग) कला का स्वरूप (घ) अनुभूति

(4)कलाकार का आदर्श क्या होता है?

________________________________________

________________________________________

________________________________________

(5) प्राचीन भारत में कला का क्या स्थान था ?

________________________________________

________________________________________

________________________________________

________________________________________